www.a2zSubjects.com

PAPER-II
PRAKRIT

Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) _____

   (Name) _____

2. (Signature) _____

   (Name) _____

OMR Sheet No. : .....
(To be filled by the Candidate)

Roll No. | | | | | | | | |
(In figures as per admission card)

Roll No._____
(In words)

J 9 1 1 6

Time : **1 ¼** hours] [Maximum Marks : **100**

Number of Pages in this Booklet : **12**

Number of Questions in this Booklet : **50**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. This paper consists of fifty multiple-choice type of questions.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
   (iii) After this verification is over, the Test Booklet Number should be entered on the OMR Sheet and the OMR Sheet Number should be entered on this Test Booklet.
4. Each item has four alternative responses marked (1), (2), (3) and (4). You have to darken the circle as indicated below on the correct response against each item.
   Example : ① ② ● ④
   where (3) is the correct response.
5. Your responses to the items are to be indicated in the **OMR Sheet given inside the Booklet only.** If you mark your response at any place other than in the circle in the OMR Sheet, it will not be evaluated.
6. Read instructions given inside carefully.
7. Rough Work is to be done in the end of this booklet.
8. If you write your Name, Roll Number, Phone Number or put any mark on any part of the OMR Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, or use abusive language or employ any other unfair means, such as change of response by scratching or using white fluid, you will render yourself liable to disqualification.
9. You have to return the Original OMR Sheet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall. You are, however, allowed to carry original question booklet and duplicate copy of OMR Sheet on conclusion of examination.
10. **Use only Black Ball point pen provided by C.B.S.E.**
11. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**
12. **There is no negative marks for incorrect answers.**
13. In case of any discrepancy in the English and Hindi versions, English version will be taken as final.

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. इस पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
2. इस प्रश्न-पत्र में पचास बहुविकल्पीय प्रश्न हैं ।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए पुस्तिका पर लगी कागज की सील को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात् किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।**
   (iii) इस जाँच के बाद प्रश्न-पुस्तिका का नंबर OMR पत्रक पर अंकित करें और OMR पत्रक का नंबर इस प्रश्न-पुस्तिका पर अंकित कर दें ।
4. प्रत्येक प्रश्न के लिए चार उत्तर विकल्प (1), (2), (3) तथा (4) दिये गये हैं । आपको सही उत्तर के वृत्त को पेन से भरकर काला करना है जैसा कि नीचे दिखाया गया है :
   उदाहरण : ① ② ● ④
   जबकि (3) सही उत्तर है ।
5. प्रश्नों के उत्तर **केवल प्रश्न पुस्तिका के अन्दर दिये गये OMR पत्रक पर ही** अंकित करने हैं । यदि आप OMR पत्रक पर दिये गये वृत्त के अलावा किसी अन्य स्थान पर उत्तर चिह्नांकित करते हैं, तो उसका मूल्यांकन नहीं होगा ।
6. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।
7. कच्चा काम (Rough Work) इस पुस्तिका के अन्तिम पृष्ठ पर करें ।
8. यदि आप OMR पत्रक पर नियत स्थान के अलावा अपना नाम, रोल नम्बर, फोन नम्बर या कोई भी ऐसा चिह्न जिससे आपकी पहचान हो सके, अंकित करते हैं अथवा अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं, या कोई अन्य अनुचित साधन का प्रयोग करते हैं, जैसे कि अंकित किये गये उत्तर को मिटाना या सफेद स्याही से बदलना तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित किये जा सकते हैं ।
9. आपको परीक्षा समाप्त होने पर मूल OMR पत्रक निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और परीक्षा समाप्ति के बाद उसे अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें । हालांकि आप परीक्षा समाप्ति पर मूल प्रश्न-पुस्तिका तथा OMR पत्रक की डुप्लीकेट प्रति अपने साथ ले जा सकते हैं ।
10. **केवल C.B.S.E. द्वारा प्रदान किये गये काले बाल प्वाईंट पेन का ही इस्तेमाल करें ।**
11. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है ।**
12. **गलत उत्तरों के लिए कोई नकारात्मक अंक नहीं हैं ।**
13. यदि अंग्रेजी या हिंदी विवरण में कोई विसंगति हो, तो अंग्रेजी विवरण अंतिम माना जाएगा ।

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

PRAKRIT

प्राकृत

Paper – II

पण्हपत्तं – II

प्रश्नपत्र – II

Note : This paper contains **fifty (50)** objective type questions, each question carrying **two (2)** marks. **All** questions are compulsory.

नोट : इमम्मि पण्हपत्ते **पण्णासा** (50) बहु विकप्पियाणि पण्हाणि सन्ति । पत्तेगं पण्हं **दुवे** (2) अंकस्स अत्थि । **सव्वाणि** पण्हाणि कारियाणि त्ति ।

नोट : इस प्रश्नपत्र में **पचास** (50) बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न के **दो** (2) अंक हैं । **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं ।

1. Similarity between the Vedic language and Prakrit found in this application :

(1) Nominative plural in declension (2) Instrumental plural in declension

(3) Dative Singular in i-stem (4) 'bhavati' becoming 'hoi'

वैदिक भाषा एवं प्राकृत के इस प्रयोग में समानता पायी जाती है –

(1) शब्दरूप के प्रथमा बहुवचन में (2) शब्दरूप के तृतीया बहुवचन में

(3) इ-कारान्त शब्द के चतुर्थी एकवचन में (4) 'भवति' का 'होइ' होना

2. The language of the S'vetāmbara cavonsis

(1) Mahārāṣṭrī (2) Paiśācī

(3) Ardhamāgadhi (4) Māgadhī

श्वेतांबर आगमों की भाषा है –

(1) महाराष्ट्री (2) पैशाची

(3) अर्धमागधी (4) मागधी

3. Paumacariu is written in

(1) Apabhraṃśa (2) Old Hindi

(3) Mahārāṣṭrī (4) Paiśācī

पउमचरिउ इस भाषा में लिखा गया है

(1) अपभ्रंश (2) प्राचीन हिन्दी

(3) महाराष्ट्री (4) पैशाची

4. Earliest reference of written Prakrit is found in

(1) Gāthāsaptaśatī (2) Karpūramañjari

(3) Drama of Kalidas (4) Inseriptions of Asoka

लिखित प्राकृत का प्राचीनतम संदर्भ इसमें पाया जाता है

(1) गाथासप्तशती (2) कर्पूरमञ्जरी

(3) कालिदास के नाटक (4) अशोक के अभिलेख

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

5. The language of the Ṣaṭkhaṇḍāgama is known as the stage of

(1) Apabhraṃśa (2) First phase of Prakrit

(3) Third phase of Prakrit (4) Second Phase of Prakrit

षट्खंडागम की भाषा को इस युग की भाषा के रूप में जाना जाता है

(1) अपभ्रंश (2) प्रथम युगीन प्राकृत

(3) तृतीय युगीन प्राकृत (4) द्वितीय युगीन प्राकृत

6. The earliest text written in Māharāṣṭri Prakrit is

(1) Gāhāsattasaī (2) Agaḍadattacariyam

(3) Samarāiccakahā (4) Paumacariyaṁ

महाराष्ट्री प्राकृत में रचित प्राचीनतम ग्रन्थ है

(1) गाहासत्तसई (2) अगडदत्तचरियं

(3) समराइच्चकहा (4) पउमचरियं

7. The word 'Darśanaṁ' in nominative singular becomes in this form in Apabhramsa

(1) Dasaṇā (2) Daṇsaṇe

(3) Daṃsaṇu (4) Daṃsaṇo

'दर्शनम्' शब्द प्रथमा एकवचन में अपभ्रंश में इस रूप में प्रयुक्त होता है

(1) दसणा (2) दंसणे

(3) दंसणु (4) दंसणो

8. This is the main characteristic of Apabhraṃśa language

(1) 'k' becoming 'g'
(2) 't' becoming 'y'
(3) vowel ending with 'a' changing into 'u'
(4) 's' becoming 'c'

अपभ्रंश भाषा की यह प्रमुख प्रवृत्ति है

(1) क् के स्थान पर ग् होना (2) त् का य् होना

(3) अंतिम अकारान्त शब्दों में उकार होना (4) स् के स्थान पर च् होना

9. The main feature of Śaurasenī Prakrit is –

(1) 'j' becoming 't' in non-conjuct position
(2) non-initial 't' becoming 'd'
(3) 'kṣ' becoming 'ch'
(4) not changing of 'ṭ' into 'ḍ'

शौरसेनी प्राकृत का प्रमुख लक्षण है ।

(1) असंयुक्त ज् के स्थान पर त् होना (2) अनादि में त् का द् होना

(3) 'क्ष्' के स्थान पर 'छ्' होना (4) 'ट्' के स्थान पर 'ड्' नहीं होना

10. The following word does not represent the Mahārāṣṭrī Prakrit

(1) Raṭṭhvaī (2) Puliśe

(3) Kāūṇa (4) Vayaṇaṁ

निम्नांकित शब्दों में से यह शब्द महाराष्ट्री प्राकृत का नहीं है

(1) रट्ठवई (2) पुलिशे

(3) काऊण (4) वयणं

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

11. Commentator of Uttarādhyayanasūtra is

(1) Vīrasena (2) Nemicandrasūri
(3) Haribhadrasūri (4) Samantabhadra

उत्तराध्ययनसूत्र के टीकाकार हैं

(1) वीरसेन (2) नेमिचन्द्रसूरि
(3) हरिभद्रसूरि (4) समन्तभद्र

12. The other name of the Kasāyapāhuḍa is

(1) Pejjadosapāhuḍa (2) Jīvaṭṭhāṇa
(3) Gaṇipavjjā (4) Mokkhadhāma

कसायपाहुड का अन्य नाम है

(1) पेज्जदोसपाहुड (2) जीवट्ठाण
(3) गणिपवज्जा (4) मोक्खधाम

13. The different categories of Jīvas and Ajīvas have been discussed in

(1) Nandīsūtra (2) Anuyogadvāra
(3) Jīvajīvābhigama (4) Vivāgasuyaṁ

जीवों एवं अजीवों की विभिन्न श्रेणियों का विवेचन इस ग्रन्थ में हुआ है

(1) नन्दीसूत्र (2) अनुयोगद्वार
(3) जीवाजीवाभिगम (4) विवागसुयं

14. Life description of ten Śrāvakas is found in this Āgama

(1) Vipākaśruta (2) Āchārāṅga
(3) Uvāsagadasaṅgasutta (4) Sthānāṅga

इस आगम ग्रन्थ में दस श्रावकों के जीवन का वर्णन प्राप्त है

(1) विपाकश्रुत (2) आचारांग
(3) उवासगदसंगसुत्त (4) स्थानांग

15. The main subject-matter of the Mūlārādhanā is

(1) Karmatheory (2) Samādhi-maraṇa
(3) Universe-description (4) Biographics of the Tīrthaṅkaras

मूलाराधना का प्रमुख विषय है

(1) कर्मसिद्धान्त (2) समाधिमरण
(3) लोकस्वरूप (4) तीर्थंकर चरित

16. The authors of Vasudevahiṇḍī are :

(1) Vīrsena – Jinasena (2) Nemichandra – Devendragaṇi
(3) Saṅghadāsagaṇi - Dharmadasagani (4) Haribhadrasūri - Jinacandrasūri

वसुदेवहिण्डी के रचनाकार हैं :

(1) वीरसेन - जिनसेन (2) नेमिचन्द्र - देवेन्द्रगणि
(3) संघदासगणि - धर्मदासगणि (4) हरिभद्रसूरि - जिनचन्द्रसूरि

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

17. This is not an epic

(1) Kumarapālacarita (2) Kurmāputracarita

(3) Gauḍavahō (4) Setubandha

यह महाकाव्य नहीं है :

(1) कुमारपालचरित (2) कूर्मापुत्रचरित

(3) गउडवहो (4) सेतुबन्ध

18. The period of Uṣāniruddha is :

(1) 14th Century CE (2) 16th Century CE

(3) 17th Century CE (4) 18th Century CE

उषानिरुद्ध का लेखन समय है

(1) 14वीं शताब्दी ईस्वी (2) 16वीं शताब्दी ईस्वी

(3) 17वीं शताब्दी ईस्वी (4) 18वीं शताब्दी ईस्वी

19. The works of Jineśvarasūri are :

(1) Kathākoṣa prakaraṇa, Nirvāṇalīlāvatī kathā

(2) Jñānapañchamī, Saṅvegaraṅgaśālā

(3) Gauḍavaho, Jinadattākhyāna

(4) Dhammarasāyaṇa, Pāsaṇāhacariyaṃ

जिनेश्वरसूरि की रचनाएँ हैं :

(1) कथाकोषप्रकरण, निर्वाणलीलावतीकथा (2) ज्ञानपंचमीकथा, संवेगरंगशाला

(3) गउडवहो, जिनदत्ताख्यान (4) धम्मरसायण, पासणाहचरियं

20. Kinds of Dharmakathā according to Kuvalayamāla are :

(1) Four (2) Six

(3) Eight (4) Ten

कुवलयमाला के अनुसार धर्मकथा के भेद हैं

(1) चार (2) छः

(3) आठ (4) दस

21. These are the Prakrit narrative texts :

(1) Kathākoṣaprakaraṇa, Narmadāsundarī kathā, Chandralekhā

(2) Samarāiccakahā, Rayaṇaseharanivakahā, Kahārayaṇakosa

(3) Dhūrttākhyāna, Vasudevahiṇḍi, Viṣamavāṇalilā

(4) Kaṃsavaho, Gauḍavaho, Kuvalayamālākahā

प्राकृत कथा ग्रन्थ ये हैं :

(1) कथाकोषप्रकरण, नर्मदासुन्दरीकथा, चंद्रलेखा (2) समराइच्चकहा, रयणसेहरनिवकहा, कहारयणकोश

(3) धूर्त्ताख्यान, वसुदेवहिण्डी, विषमबाणलीला (4) कंसवहो, गउडवहो, कुवलयमालाकहा

22. Dvyāśrayakāvya : is written in theis period :

(1) 10th Century CE (2) 12th Century CE

(3) 14th Century CE (4) 15th Century CE

द्वयाश्रयकाव्य का रचनाकाल है

(1) 10वीं शताब्दी ईस्वी (2) 12वीं शताब्दी ईस्वी

(3) 14वीं शताब्दी ईस्वी (4) 15वीं शताब्दी ईस्वी

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

23. This statement is related to the characteristics of Saṭṭaka :

(1) Pāudabandho vi hoī Suumāro. (2) Dūraṃ jo ṇaḍiāiṃ aṇuharai

(3) Uttiviseso kavvo (4) Akaliaparirambhavibbhamaiṃ

यह कथन सट्टक के लक्षण से सम्बन्धित है :

(1) पाउदबन्धो वि होइ सुउमारो । (2) दूरं जो णाडिआइं अणुहरइ ।

(3) उत्तिविसेसो कव्वो । (4) अकलिअपरिरंभविब्भमाइं ।

24. The Mṛchhakatikaṃ is known as :

(1) Nāṭaka (2) Prahasana

(3) Prakaraṇa (4) Saṭṭaka

मृच्छकटिकं है :

(1) नाटक (2) प्रहसन

(3) प्रकरण (4) सट्टक

25. Saṭṭaka is named on the basis of :

(1) Hero (2) Heroine

(3) King (4) Vidūṣaka

सट्टक का नामकरण इसके आधार पर होता है :

(1) नायक (2) नायिका

(3) राजा (4) विदूषक

26. The name of King Vahasatimitta is found in this inscription :

(1) First Girnar Inscription (2) Third Girnar Inscription

(3) Fifth Girnar Inscription (4) Hathigumpha Inscription

राजा वहसतिमित का उल्लेख इस शिलालेख में प्राप्त है

(1) प्रथम गिरनार - शिलालेख (2) तृतीय गिरनार - शिलालेख

(3) पाँचवाँ गिरनार - शिलालेख (4) हाथीगुम्फा - शिलालेख

27. The Hero of Hathigumpha inscription is

(1) Emperor Ashoka (2) Emperor Sātavāhana

(3) Emperor Khārvela (4) Emperor Chandraguptā

हाथीगुम्फा-शिलालेख का नायक है

(1) सम्राट् अशोक (2) सम्राट सातवाहन

(3) सम्राट खारवेल (4) सम्राट चन्द्रगुप्त

28. The inscription of Kharoṣṭhī – script is found at –

(1) Lohānipur (2) Udayagiri

(3) Mānasehrā (4) Nāsik

खरोष्ठी-लिपि का शिलालेख यहाँ उपलब्ध है

(1) लोहानीपुर (2) उदयगिरि

(3) मानसेहरा (4) नासिक

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

29. The Language of Girnar Inscriptions is

(1) Sanskrit (2) Prakrit

(3) Apabhraṁśa (4) Gujarati

गिरनार - शिलालेखों की भाषा है

(1) संस्कृत (2) प्राकृत

(3) अपभ्रंश (4) गुजराती

30. The word "Bharadhavasa" is found in this inscription

(1) Girnar Inscription

(2) Dhauli Inscription

(3) Hathigumpha Inscription

(4) Mathura Inscription

"भरधवस" शब्द का उल्लेख इस शिलालेख में उपलब्ध है

(1) गिरनार शिलालेख

(2) धौली शिलालेख

(3) हाथीगुम्फा शिलालेख

(4) मथुरा शिलालेख

31. The number of the Gātha's in Alaṁkāra darpaṇa is :

(1) 134 (2) 234

(3) 336 (4) 266

अलङ्कार-दर्पण में गाथाओं की संख्या यह है

(1) 134 (2) 234

(3) 336 (4) 266

32. Gahalakkhana is included into this group of texts :

(1) Kośa Grantha (2) Alaṁkāra Grantha

(3) Chanda Śāstra (4) Vyākaraṇa Grantha

गाहालक्खण इस ग्रन्थ समूह में सम्मिलित है

(1) कोश ग्रन्थ (2) अलंकार ग्रन्थ

(3) छन्द शास्त्र (4) व्याकरण ग्रन्थ

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

33. Read the Unit-I and II for the correct match :

	Unit-I		**Unit-II**
(a)	Prakrit lakṣaṇa	(i)	Alaṁkāra
(b)	Rayaṇāvalī	(ii)	Chanda
(c)	Alaṁkāradappṇa	(iii)	Vyākaraṇa
(d)	Prakrit Paiṅgalam	(iv)	Kośa

Identify the correct answer :

(1) (a) + (iv) (2) (b) + (i)
(3) (c) + (iii) (4) (d) + (ii)

प्रथम एवं द्वितीय इकाईयों को पढ़ें और सही मिलान करें :

	इकाई-I		**इकाई-II**
(a)	प्राकृत लक्षण	(i)	अलङ्कार
(b)	रयणावली	(ii)	छन्द
(c)	अलंकार दप्पण	(iii)	व्याकरण
(d)	प्राकृत पैंगलम्	(iv)	कोश

सही उत्तर की पहिचान कीजिए :

(1) (a) + (iv) (2) (b) + (i)
(3) (c) + (iii) (4) (d) + (ii)

34. Virahāṅka is the author of this work :

(1) Prākṛta-Paiṅgalaṁ (2) Gāhā-lakkhaṇa
(3) Vṛattajātisamuccaya (4) Chando-lakṣaṇa

विरहांक इस ग्रन्थ के लेखक हैं

(1) प्राकृतपैंगलम् (2) गाहालक्खण
(3) वृत्तजातिसमुच्चय (4) छन्दोलक्षण

35. The Prakrit text of Rhetories is

(1) Alaṁkārasarvasva (2) Alaṁkāra Prabodha
(3) Alaṁkārdarpaṇa (4) Adbhuta darpaṇa

अलङ्कार शास्त्र का प्राकृत ग्रन्थ यह है

(1) अलङ्कारसर्वस्व (2) अलङ्कार प्रबोध
(3) अलङ्कारदर्पण (4) अद्‌भुतदर्पण

36. The word 'ratna' is changed into Magadhi is

(1) raṇṇa (2) Latta
(3) Rayaṇa (4) ladaṇa

'रत्न' शब्द का मागधी में इस प्रकार परिवर्तन होता है

(1) रण्ण (2) लत्त
(3) रयण (4) लदण

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

37. This is an example of Śaurasenī of the word 'tathā'.

(1) tahā (2) tadhā

(3) dadhā (4) dahā

'तथा' शब्द का शौरसेनी में यह उदाहरण है

(1) तहा (2) तधा

(3) दधा (4) दहा

38. 'araṇyam' the word is changed into Prakrit as

(1) araṇṇaṃ (2) raṇṇaṃ

(3) araṇiyaṃ (4) araṇṇaaṃ

'अरण्यम्' शब्द का प्राकृत में इस प्रकार परिवर्तन होता है

(1) अरण्णं (2) रण्णं

(3) अरणियं (4) अरण्णअं

39. This is an example of compensatory lengthening

(1) ṇīsāso (2) muṇī

(3) rāo (4) sujjo

यह क्षतिपूर्ति दीर्घीकरण का उदाहरण है

(1) णीसासो (2) मुणी

(3) राओ (4) सुज्जो

40. nominative singular of a base turns into 'e' in this Prakrit

(1) Śaurasenī (2) Paiśacī

(3) Āvantī (4) Māgadhī

इस प्राकृत में अकारान्त शब्द का प्रथमा एकवचन में ए होता है

(1) शौरसेनी (2) पैशाची

(3) आवन्ती (4) मागधी

41. This subject is not described in Sanmatitarkaprakaraṇa :

(1) Anekanta (2) Naya

(3) Sāmānya – Viśeṣa - bodha (4) Aṣṭa-Karma

सन्मतितर्क प्रकरण में इस विषय का वर्णन नहीं है

(1) अनेकान्त (2) नय

(3) सामान्य-विशेष-बोध (4) अष्ट-कर्म

42. 'Puggalajīvāṇa gamaṇasahayārī is the characteristic of this substance :

(1) Adharma-dravya (2) Dharma-dravya

(3) Ākāśa-dravya (4) Kāla-dravya

'पुग्गलजीवाण गमणसहयारी' यह लक्षण इस द्रव्य का है :

(1) अधर्म-द्रव्य (2) धर्म-द्रव्य

(3) आकाश-द्रव्य (4) काल-द्रव्य

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

43. 'Dhammo dīvo paiṭṭha ya, gai saraṇamuttamaṃ' is stated by :

(1) Keśī kumāra (2) Rajaṛśi Nemi

(3) Gautama Svāmi (4) Devendra

'धम्मो दीवो पइट्ठा य, गई सरणमुत्तमं' यह इन्होंने कहा है :

(1) केशीकुमार (2) राजर्षि नमि

(3) गौतम स्वामी (4) देवेन्द्र

44. **"**Ṇatthi viṇā pariṇ ā mam

Attho attham vineha parin ā mo,
Davvagunapajjayattho
Attho atthittaṇivvatto."

The above verse is quoted from this book :

(1) Pavayaṇasāro (2) Āyāro

(3) Davvasaṅgaho (4) Rāvaṇavaho

"णत्थि विणा परिणामं
अत्थो अत्थं विणेह परिणामो
दव्वगुणपज्जयत्थो
अत्थो अत्थित्तणिव्वत्तो ।।"

उपर्युक्त गाथा इस ग्रन्थ से उद्धृत है

(1) पवयणसारो (2) आयारो

(3) दव्वसंगहो (4) रावणवहो

45. This is the second chapter of Ācārāṅga's first śrutaskandha :

(1) Uvahāṇa (2) Piṇḍesaṇā

(3) Satthapariṇṇā (4) Logavijaya

आचारांग के प्रथम श्रुतस्कन्ध का द्वितीय अध्ययन यह है :

(1) उवहाण (2) पिण्डेसणा

(3) सत्थपरिण्णा (4) लोग विजय

46. The names of character's of Kuvalayamālākahā are related to :

(1) Tattva (2) Dravya

(3) Kaṣāya (4) Padārtha

कुलवयमालाकहा के पात्रों के नाम इससे सम्बन्धित हैं :

(1) तत्त्व (2) द्रव्य

(3) कषाय (4) पदार्थ

47. Vasantasenā speaks this Prakrit :

(1) Śaurasenī (2) Prācyā

(3) Śakārī (4) Ḍhakkī

वसन्तसेना यह प्राकृत बोलती है :

(1) शौरसेनी (2) प्राच्या

(3) शकारी (4) ढक्की

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

48. In setubandha, the word 'Mahumahaṇa' represents to :

(1) Kṛṣṇa (2) Viṣṇu

(3) Śiva (4) Mahāvīra

सेतुबन्ध में 'महुमहण' पद इनके लिये प्रयुक्त है

(1) कृष्ण (2) विष्णु

(3) शिव (4) महावीर

49. 'Jujjadi campaaladāe Katthūriā-Kappūrehiṃ ālabālaparipūraṇaṃ'

In the above statement the term 'campaaladāe' reflects to –

(1) Vibhramalekhā (2) Vicakṣaṇā

(3) Karpūramanjarī (4) Sulakṣaṇā

'जुज्जदि चंपअलदाए कत्थूरिआकप्पूरेहिं आलबालपरिपूरणं'

उपर्युक्त कथन में 'चंपअलदाए' पद से यह अभिप्रेत है

(1) विभ्रमलेखा (2) विचक्षणा

(3) कर्पूरमंजरी (4) सुलक्षणा

50. Match Units-I and II choose the correct answer :

	Unit-I		**Unit-II**
(a)	Setubandha	(i)	Uddyotanasūrī
(b)	Kuvalayamālākahā	(ii)	Puṣpadanta
(c)	Karpūramañjari	(iii)	Pravarasena
(d)	Ṇāyakumārcariu	(iv)	Rajaśekhara

Codes :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(2)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)
(3)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)
(4)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)

प्रथम तथा द्वितीय इकाइयों का मिलान कीजिए तथा सही उत्तर का चुनाव कीजिए :

	इकाई-I		**इकाई-II**
(a)	सेतुबन्ध	(i)	उद्द्योतनसूरी
(b)	कुवलयमालाकहा	(ii)	पुष्पदन्त
(c)	कर्पूरमंजरी	(iii)	प्रवरसेन
(d)	णायकुमारचरिउ	(iv)	राजशेखर

सही उत्तर की पहिचान कीजिए :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(2)	(i)	(ii)	(iv)	(iii)
(3)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)
(4)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

Space For Rough Work

www.a2zSubjects.com